

समाजशास्त्र / SOCIOLOGY

प्रश्न-पत्र I / Paper I

निर्धारित समय : तीन घंटे

Time allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : 250

Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं ।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are EIGHT questions divided in two SECTIONS and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE from each section.

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in chronological order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the answer book must be clearly struck off.

खण्ड A

SECTION A

Q1. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : (प्रत्येक टिप्पणी 150 शब्दों से अधिक की नहीं होनी चाहिए)

- “समाजशास्त्र का उदय यूरोप में हुआ तथा प्रारंभ में सं. रा. अमेरिका की सामाजिक सुधारोन्मुखता के आधार पर उसका विकास हुआ।” — टिप्पणी कीजिए।
- समाजशास्त्र तथा नृविज्ञान की परस्पर तुलना करते हुए उनके अन्तर को स्पष्ट कीजिए।
- समाजशास्त्रीय अनुशीलन में सकारात्मक दृष्टि की समीक्षात्मक परीक्षा कीजिए।
- सामाजिक परिवर्तन के कारकों के रूप में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की परीक्षा कीजिए।
- परिवार में समसामयिक प्रवृत्तियों का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए।

Write short notes on the following : (Each note should not exceed 150 words)

10×5=50

- “Sociology emerged in Europe and flourished to begin with on social reformist orientation in the U.S.A.” — Comment. 10
- Compare and contrast Sociology with Anthropology. 10
- Critically examine positivistic approach in sociological studies. 10
- Examine science and technology as agents of social change. 10
- Analyse the contemporary trends in family with examples. 10

- Q2.
- सामाजिक शोध की मात्रात्मक विधियों की सीमाओं का विश्लेषण कीजिए।
 - समाजशास्त्र की प्रकार्यवादी परम्परा की समीक्षात्मक परीक्षा कीजिए।
 - ऐतिहासिक भौतिकवाद के प्रमुख लक्षणों का विश्लेषण कीजिए।
- Analyse the limitations of quantitative methods in social research. 20
 - Critically examine the functionalist tradition in Sociology. 20
 - Analyse the salient features of historical materialism. 10

- Q3.** (a) 'श्रम-विभाजन' के ढाँचे के सन्दर्भ में कार्ल मार्क्स और इमाइल दुर्खीम की तुलना कीजिए ।
 (b) 'प्रतीकात्मक अन्योन्यक्रियावाद' में जी.एच. मीड के योगदानों का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए ।
 (c) वेबरी (वेबरीयन) अधिकारी-तंत्र के प्रमुख लक्षणों की परीक्षा कीजिए ।
- (a) Compare Karl Marx with Emile Durkheim with reference to the framework of 'division of labour'. 20
 (b) Critically analyse the contributions of G.H. Mead to 'symbolic interactionism'. 20
 (c) Examine the salient features of Weberian bureaucracy. 10
- Q4.** (a) समाजों की नई सोपानिक सामाजिक व्यवस्था के उदय में स्तरण की मुक्त एवं नियंत्रित पद्धतियाँ किस प्रकार रूपांतरित हो रही हैं ?
 (b) क्या पितृवंश (पितृतंत्र) एक सर्वव्यापी परिघटना है ? समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए कि पितृवंश समाजों में श्रम के लिंगाधारित विभाजन को किस प्रकार प्रभावित करता है ।
 (c) संसदीय प्रजातंत्र में दबाव-गुटों की भूमिका की परीक्षा कीजिए ।
- (a) How are open and closed systems of stratification undergoing transformation in the emergence of new hierarchical social order in societies? 20
 (b) Is patriarchy a universal phenomenon? Critically examine how does patriarchy affect sexual division of labour in societies. 20
 (c) Examine the role of pressure groups in parliamentary democracy. 10

SECTION B

Q5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : (प्रत्येक टिप्पणी 150 शब्दों से अधिक की नहीं होनी चाहिए)

- समाजों में लोगों के सामाजिक रूप से अपवर्जित हो जाने और स्वयं ही अपने को सामाजिक रूप से अपवर्जित कर देने में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।
- सामाजिक आन्दोलन को परिभाषित कीजिए । सामाजिक परिवर्तन में सुधारवादी आन्दोलनों की भूमिका का विशद विवेचन कीजिए ।
- “विज्ञान के पास तार्किक लक्ष्यों के लिए आनुभविक साधन हैं और धर्म के पास तार्किक लक्ष्यों के लिए गैर-आनुभविक साधन हैं ।” — टिप्पणी कीजिए ।
- विकासजन्य विस्थापन के सामाजिक आयामों की परीक्षा कीजिए ।
- उदाहरण प्रस्तुत करते हुए वर्तमान समाज में लैंगिक पूर्वाग्रह का विश्लेषण कीजिए ।

Write short notes on the following : (Each note should not exceed 150 words)

10×5=50

- Distinguish between people being socially excluded and people excluding themselves socially in societies. 10
 - Define social movement. Elucidate the role of reformist movements in social change. 10
 - “Science has empirical means to logical ends and religion has non-empirical means to logical ends.” — Comment. 10
 - Examine the social dimensions of displacement induced by development. 10
 - Analyse the gender bias in the present society with examples. 10
- Q6. (a) सामाजिक स्तरण के विश्लेषण के प्रसंग में कार्ल मार्क्स तथा मैक्स वेबर के दृष्टिकोणों में क्या अन्तर है ?
- श्रम और समाज पर वैश्वीकरण के सामाजिक प्रभाव की परीक्षा कीजिए ।
 - वर्तमान समाज में पारसनी (पारसोनियन) सामाजिक-पद्धति की प्रासंगिकता की परीक्षा कीजिए ।
- How do Karl Marx and Max Weber differ in terms of their analysis of social stratification ? 20
 - Examine the social impact of globalization on labour and society. 20
 - Examine the relevance of Parsonian Social System in the present society. 10

- Q7.** (a) नागरिक समाज और प्रजातंत्र एक-दूसरे को परस्पर किस प्रकार सशक्त करते हैं ? मूल्यांकन कीजिए ।
- (b) आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था में परिवर्तनों के फलस्वरूप विवाह एवं परिवार में उदीयमान प्रवृत्तियों की परीक्षा कीजिए ।
- (c) प्रजातंत्र में नागरिक समाज की भूमिका की समीक्षात्मक परीक्षा कीजिए ।
- (a) Evaluate how do civil society and democracy mutually reinforce each other. 20
- (b) Examine the emerging trends in marriage and family as a response to the changes in economic and social order. 20
- (c) Critically examine the role of civil society in democracy. 10
- Q8.** (a) सामाजिक परिवर्तन के चलते समाजों द्वारा अनुभूत संघर्षों एवं तनावों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।
- (b) उपयुक्त उदाहरण प्रस्तुत करते हुए सामाजिक परिवर्तन के सांस्कृतिक सिद्धान्तों की समीक्षात्मक परीक्षा कीजिए ।
- (c) क्या धर्म विज्ञान का प्रतिवादी है ? टिप्पणी कीजिए ।
- (a) Illustrate the conflicts and tensions experienced by societies undergoing social change. 20
- (b) Critically examine the cultural theories of social change with suitable examples. 20
- (c) Is religion antithetical to science ? Comment. 10

SHREE KRISHNA RADHE IAS